सेवा की अखण्ड ज्योति प्रज्ज्वलित करती
’सेवा ज्योति’

आर.आर. मोरारका चैरिटेबिल ट्रस्ट का प्रभाग ’सेवा ज्योति’ पिछले चार वर्षो से झुन्झुनूं जिले के नागरिकों के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य, विकलांग कल्याण और दरिद्रनारायण की सेवा ज्योति प्रज्ज्वलित करने में लगा है। सेवा ज्योति के निःस्वार्थ सेवाकार्यों के पीछे स्वर्गीय श्री राधेश्याम आर. मोरारका जी जैसे समर्पित जनसेवी लोकनेता की प्रेरणा और उनके कर्मयोगी सुपुत्र श्री गौतम मोरारका का सेवाभाव , प्रतिबद्धता और चिरस्थायी क्षेत्रीय विकास का विजन छिपा हुआ है। नवलगढ़ (झुन्झुनू) से संचालित यह संस्था जाति, संप्रदाय, धर्म, समाज, क्षेत्र या किसी भी अन्य प्रकार के भेदभाव से पूर्णतः मुक्त रहते हुए वंचितों और पीड़ित की सेवा में संलग्न है। अपनी स्थापना के बाद महज चार वर्षों में सेवा ज्योति ने झुन्झुनूं जिले में किए गए अथक सेवाकार्यो के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई है। यह संस्था आम लोगों के कष्टों का निवारण करने और उन्हें शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का उद्देश्य लेकर चल रही है। उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है– निर्बल एवं निर्धन लोगों के मन में स्थायी रूप से स्थान बनाना।संस्था के प्रमुख श्री गौतम आर. मोरारका का मत है कि देश का समग्र विकास सुनिशिचत करने के लिए गांवों, कस्बों और छोटे शहरों के लोगों को सशक्त बनाने की जरूरत है। स्थायी विकास वही है, जो सामाजिक व्यवस्था के सबसे निचले स्तर पर रहने वाले व्यक्तियों के जीवन को सुखद और समृद्ध बनाए। सेवा ज्योति इसी कथन को अपना ध्येय वाक्य बनाकर आगे बढ़ रही है।

स्वर्गीय श्री राधेश्याम आर मोरारका जी ने अपना संपूर्ण जीवन ग्रामीण विकास और सेवाभाव के प्रति समर्पित कर दिया था। उनके जीवनकाल में शुरू हुई सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाते हुये श्री गौतम आर. मोरारका ने अपने पिताजी श्री राधेश्याम जी मोरारका की याद में आर. आर. मोरारका चैरिटेबिल ट्रस्ट एवं अपनी माताश्री की स्मृति में नर्मदा देवी मोरारका चैरिटेबिल ट्रस्ट का गठन क्रमशः 1994 एवं 1995 में किया। यह संस्था ग्रामीण सेवा, तकनीकी, स्वास्थ्य एवं राष्ट्रीय ग्रामीण विकास पर तो ध्यान केंद्रित कर ही रही है। विकलांग पुर्नवास, स्वास्थ्य, पर्यावरण, पशुधन, कृषि, शिक्षा एवं समाज के निःशक्त जनों को सेवा प्रदान में भी लगी है।स्व. राधेश्याम मोरारका झुन्झुनूं क्षेत्र के जाने पहचाने जननायक थे। व्यवसाय से उधोगपति होने के बावजूद वे कर्म से जनसेवी थे जो इस क्षेत्र की समस्याओं और चुनौतियों के समाधान के लिए जीवन –पर्यन्त संघर्षरत रहे। आप 1952 से 1967 तक लगातार लोससभा सदस्य रहे एवं 1978 से 1984 तक राज्य सभा के सदस्य रहे। आपने झुन्झुनू क्षेत्र के उधोगिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसका जीता–जागता उदाहरण है, इस क्षेत्र में खेतड़ी कॉपर काम्प्लैक्स की स्थापना।अपने मुख्य ट्रस्टी श्री गौतम आर मोरारका के प्रेरणादायी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सेवा ज्योति ने पिछले कुछ वर्षो में झुन्झुनूं क्षेत्र में जन–कल्याण के अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का संचालन किया है। उनमें से कुछ उल्लेखनीय कार्यक्रम इस प्रकार है।

प्रगति रिपोर्ट 2004

1. विकलांग उपकरण वितरण शिविर का विशाल आयोजन :– 'सेवा ज्योति' आर. आर. मोरारका चेरिटेबिल ट्रस्ट द्वारा जिला प्रशासन एवं कल्याणम् करोति, माथुर के सहयोग से जिले का प्रथम विशाल विकलांग शिविर का आयोजन नवलगढ़ में किया गया। शिविर में 25 कृत्रिम पैर, 107 कैलिपर्स, 162 बैसाखियां, 110 ट्राईसाईकिल, 18 व्हील चेयर, 37 कानों की मशीनें, 6 एलबो स्टिक, 4 स्टिक आदि का वितरण हुआ और 78 विकलांगों को विकलांग प्रमाण–पत्र प्रदान किये गए। इसी शिविर में 200 निर्धनों को कम्बल वितरित किये गए। इस कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा सिंह व निर्वतमान जिला कलेक्टर कुन्जीलाल मीणा उपस्थित थे। संस्था के इस प्रथम प्रयास की अत्यन्त सराहना की गई तथा विकलांगों के पुर्नवास हेतु आगे कार्य करने के लिए उसे केन्द्र सरकार द्वारा आमन्त्रित किया गया।

2. परिवार कल्याण के रास्ट्रीय कार्यक्रम :– 'सेवा ज्योति' ने पहल करते हुये परिवार कल्याण कार्यक्रमों के लिए स्वयं संसाधनों से 3 लाख रूपये की राशि स्वास्थ्य विभाग, झुन्झुनू को उपलब्ध करायी जिसमें से प्रति लाभान्वित को ट्रस्ट की तरफ से 100 रूपये प्रदान किये गये।

यह योजना सफल रही और इससे लगभग 2,775 महिलाओं एवं पुरूषों को नसबन्दी कराने हेतु प्रोत्साहित किया गया। ट्रस्ट ने जिला प्रशासन के सहयोग से मासिक आधार पर भी विशाल नसबन्दी शिविरों का आयोजन किया ।

इनमे से झाझड़ ग्राम में आयोजित परिवार कल्याण कैम्प सर्वाधिक सफल रहा जिसमें एक ही दिन में 125 नसबन्दी ऑपरेशन किये गये। संस्था ने नसबंदी करवाने वालो को प्रोत्साहन स्वरूप 5 लीटर के प्रेशर कुकर भी भेंट किये।

3. गरीबों एवं विधवाओं के बच्चों को निःशुल्क स्कूल पोशाक वितरण :— स्कूलों में गरीब बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने एवं साधनो के अभाव मे स्कूल छोड़कर जाने वाले बच्चों की संख्या को रोकने हेतु संस्था ने 15 अक्टूबर 2004 को तत्कालिन जिला कलेक्टर श्री कुजीलाल मीणा की उपस्थिति में 5,000 गरीबों व विधवाओं के बच्चों को निःशुल्क स्कूल पोशाक वितरण किया।

4. कम्बल वितरण कार्यक्रम :— संस्था द्वारा 21 दिसम्बर 2004 को तत्कालिन जिला कलेक्टर श्री भवानी सिंह देथा की उपस्थिति में 500 निर्धनों, विधवाओं व गरीब व्यक्तियों को कम्बल एवं भोजन का वितरण किया गया।

5. वृक्षारोपण कार्यक्रम :— पर्यावरण के महत्व को आमजनों के मध्य संदेश के रूप मे पहुॅंचाने के उद्‌देश्य से सेवा ज्योति ने पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण का विशाल कार्यक्रम आयोजित किया।

प्रगति रिपोर्ट 2005

1. शेखावाटी हस्तशिल्प एवं पर्यटन मेला :– जिले में स्वरोजगार एवं पर्यटन उद्योग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिनांक 8 से 13 जनवरी 2005 के बीच आयोजित पर्यटन मेले में संस्था ने स्व. राधेश्याम जी मोरारका की स्मृति में जिला स्तरीय ग्रामीण खेलकुद प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें विजेता व उपविजेता टीमों को शील्ड/कप प्रदान किये गये। व्यक्तिगत स्पर्धाओं के विजेताओं को नगद राशि से पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार वितरण जिला कलेक्टर द्वारा किया गया।

2. राजकीय महाविद्यालय का शिलान्यास :– लम्बे संघर्ष एवं क्षेत्र की जनता की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुये राज्य सरकार द्वारा राजकीय महाविद्यालय की स्वीकृति प्रदान की गई। किन्तु भवन के अभाव में उक्त महाविद्यालय राजकीय स्कूल के प्रांगण में मात्र 4 कमरों में संचालित किया जा रहा है। इस प्रकार साधनों से विहिन इस महाविद्यालय की स्वीकृति नाम मात्र की रह गई थी। सेवा ज्योति ने झुन्झुनूं क्षेत्र में उच्च शिक्षा के महत्व को समझते हुए राज्य सरकार से प्रस्ताव किया कि संस्था महाविद्यालय भवन स्वयं के संसाधनों से बनाकर देने को तैयार है। इसे राज्य सरकार ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। दिनांक 9 जून 2005 को विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा सिंह व शिक्षा मंत्री श्रीमान् घनश्याम तिवारी जी की उपस्थिति में संस्था मुख्य ट्रस्टी श्री गौतम आरं मोरारका द्वारा श्री राधेश्याम आर मोरारका राजकीय महाविद्यालय भवन का शिलान्यास झुन्झुनू में किया गया।संस्था ने अपने एक करोड़ के वायदे से अधिक 2.54 करोड़ रूपये लगाकर राजकीय महाविद्यालय का भव्य भवन निर्मित करवाया और अतिरिक्त 5 लाख रूपये लगाकर अन्य मूलभूत सुविधाओं को रिकार्ड समय में पूरा किया ।

इस भवन को 26 मार्च 2006 को राजस्थान की मुख्यमंत्री माननीया श्रीमती वसुन्धरा राजे, विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा सिंह तथा अन्य अनेक मंत्रियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में राज्य सरकार को शिक्षार्थ लोकार्पित कर दिया गया। सभी तरह की आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन के लोकार्पण के बाद प्रथम वर्ष में ही रिकार्ड 1,500 अतिरिक्त विद्यार्थियों ने कालेज में प्रवेश लिया। राज्य सरकार ने इस निःस्वार्थ कार्य एवं समर्पण को मान्यता प्रदान करते हुये 28 जून 2006 को श्री गौतम आर मोरारका को राज्य स्तरीय 'भामाशाह पुरस्कार' से सम्मानित किया। संस्था द्वारा झुन्झुनू के राजकीय महाविद्यालय के निर्माण में लगाई गई राशि आज तक शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित की गई राशियों में सर्वाधिक है। राज्य सरकार द्वारा जनसेवी, स्वाधीनता सेनानी एवं अभूतपूर्व जनप्रतिनिधि श्री राधेश्याम आर मोरारका जी के नाम से इस महाविद्यालय का नामकरण 'श्री राधेश्याम आर. मोरारका राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, झुन्झुनू' किया गया। राज्य सरकार ने निर्माण के द्वितीय वर्ष 2007 मे ही महाविद्यालय के महत्व को समझते हुये विज्ञान संकाय में स्नातकोत्तर महाविद्यालय का दर्जा प्रदान कर दिया है।

3. कैंसर निदान, जागरूकता का विशाल शिविरः— सेवा ज्योति ने 27 मई 2005 को भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र के सयुक्त तत्वावधान में विशाल शिविर का आयोजन किया। जिसमें 135 कैंसर रोगियों का पंजीकरण कर जांच एवं स्वास्थ्य सेवायें प्रदान की गई।

4. दस किचन शेडों का निर्माण :— जिला प्रशासन द्वारा चलाई जा रही मिड डे मील योजना के तहत आने वाले कुछ विद्यालयों में भोजन पकाने हेतु रसोई की सुविधा न होने की वजह से असुविधाओ का सामना करना पड़ रहा था।

ऐसे में सेवा ज्योति द्वारा अगस्त 2005 माह में दस राजकीय विद्यालयों में किचन शेड निर्माण के लिए 2,50,000 रूपये की राशि मंजूर की गईं। दस राजकीय विद्यालय के नाम, जिसमें दस किचन शेडों का निर्माण सेवा ज्योति द्वारा करवाया गया है, इस प्रकार है –

मिड डे मील के तहत निर्माणाधीन दस किचन शेडों का वितरण :–

क्र. स.	विद्यालय का नाम	स्वीकृति राशि
1.	रा. उ. प्रा.वि. मानसिंहका नवलगढ़	25000.00
2.	रा. उ. प्रा.वि. गणेशपुरा नवलगढ़	25000.00
3.	रा. उ. प्रा.वि. वार्ड. न. 23 नवलगढ़	25000.00
4.	रा. प्रा.वि. मोहल्ला मोचियान नवलगढ़	25000.00
5.	रा. प्रा.वि. हरिजन मोहल्ला नवलगढ़	25000.00
6.	रा. प्रा.वि. गौशाला नवलगढ़	25000.00
7.	रा. प्रा.वि. मोहल्ला रैंगरान नवलगढ़	25000.00
8.	राजीव गांधी पाठशाला वार्ड नं. 20 नवलगढ़	25000.00
9.	रा.उ.प्रा.वि. जोहड की ढाणी नवलगढ़	25000.00
10.	रा. उ. प्रा.वि. चोपदारों की ढ़ाणी नवलगढ़	25000.00
कुल व्यय राशि :–	2,50,000.00	

5. ग्रामीण महिला स्वास्थ्य जागरूकता परियोजना :– 'सेवा ज्योति' द्वारा नवलगढ़ पंचायत समिति के दस गांवों को चिन्हित कर 1 सितम्बर 2005 से ग्रामीण महिला स्वास्थ्य जागरूकता परियोजना आरम्भ की गई।

इस परियोजना के तहत संस्था द्वारा प्रत्येक गांव में एक स्वास्थ्यकर्मी की नियुक्ति की गई तथा उन्हें प्राथमिक उपचार एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन दस गांवों को 2 भागों में विभाजित कर प्रत्येक समूह की देखरेख के लिए एक–एक प्रशिक्षित ए. एन. एम. की नियुक्ति भी की गई। इस

परियोजना का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं व बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषाहार के प्रति पूर्ण रूप से जागरूक करना था ताकि वे एक सुन्दर समाज व परिवार का निर्माण कर सकें। इस परियोजना के तहत निम्नलिखित बीमारियों का सर्वे, जांच और उपचार किया जाता है।

1. बच्चों में होने वाली छह जानलेवा बीमारियों की जानकारी व रोकथाम के उपाय।
2. महिलाओं को प्रसव हेतु जानकारी व उसके दौरान पैदा हुई परेशानियों के बारे में जानकारी।
3. महिलाओ में खुन की कमी की जानकारी व उसकी रोकथाम के उपाय।
4. तपेदिक (टी.बी') का सर्वे व निदान के उपाय।
5. जन्म से पूर्व एवं पश्चात टीकाकरण के बारे मे सम्पूर्ण जानकारी।
6. निमोनिया व पीलिया के बारे में जागरूकता व रोकथाम के उपाय।
7. एड्स के बारे में जानकारी व रोकथाम के उपाय।
8. कैंसर की रोकथाम के उपाय।
9. मदिरा व तम्बाकू सेवन के कुपरिणामों की जानकारी।
10. बाल–विवाह के कुपरिणामों के बारे में जागरूकता।
11. विकलांगता के क्षेत्र में सर्वे का कार्य व सहायता प्रदान करना।
12. जन्म व मृत्यु दर और परिवार नियोजन के बारे में जानकारी देना।
13. दस गांवों की सूची जहां स्वास्थ्य परियोजना लागू की गई है।

दस गांव

1. देवगांव (नुआं)
2. माण्डासी
3. घोडीवारा (खुर्द)
4. डुमरा
5. कैरू
6. बिरोल
7. गोठडा
8. देवगांव
9. खोजास
10. बांरवा

इस परियोजना के तहत प्रत्येक गांव में निश्चित दिन ए. एन. एम. व क्षेत्रिय अधिकारी द्वारा कार्य की देखरेख की जाती है और प्रत्येक सप्ताह के अन्त मे परियोजना अधिकारी द्वारा कार्यो का मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक माह के अन्तिम दिन सभी स्वास्थ्यकर्मी व ए. एन. एम. अपनी मासिक प्रगति रिपोर्ट परियोजना अधिकारी को प्रस्तुत कर आगे के कार्य में जुट जाते है।

6. **दाई प्रशिक्षण** :— ग्रामीण स्तर पर सुरक्षित प्रसव को सुनिश्चित करने के लिये संस्था द्वारा स्वयं के साधनों द्वारा 30 दिसम्बर 2005 को दाई प्रशिक्षण शिविर
7. का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक गांव से 3 महिलाओं को सफल व सुरक्षित प्रसव कराने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

ग्रामीण स्वास्थ्य परिवार के अन्तर्गत लगाये गये शिविर :–

1. बारवा
2. खोजास
3. कैरू
4. देवगांव (नुआं)

7. चिकित्सा कैम्प :– लोहार्गल में आयोजित होने वाले लोकप्रिय धार्मिक मेले के दौरान सेवा ज्योति द्वारा यात्रियों के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया।

8. वृक्षारोपण कार्यक्रम :– पर्यावरण दिवस पर सेवा ज्योति द्वारा कई वृक्षों लगाये गए।

प्रगति रिपोर्ट 2006

1. निर्धनों व गरीबों को कम्बल वितरण :– 8 जनवरी 2006 को 'सेवा ज्योति' द्वारा नवलगढ़ के 250 गरीबों, विधवाओं व विकलांग व्यक्तियों को कम्बलों का वितरण किया गया।

2. परिवार कल्याण योजना :– राष्ट्रीय परिवार योजना के तहत नवलगढ़ तहसील के 525 व्यक्तियों को प्रोत्साहन हेतु 'सेवा ज्योति' द्वारा प्रेशर कुकर प्रदान किये गए।

3. शेखावाटी हस्त शिल्प व पर्यटन मेला :– शेखावाटी हस्त शिल्प एवं पर्यटन मेला 2006 में ग्रामीण खेल कूद को प्रोत्साहन हेतु 'सेवा ज्योति' द्वारा विजेता व उपविजेता की शिल्ड व कप से पुरस्कृत किया गया व कव्वाली का दिलचस्प मुकाबला भी आयोजित किया गया।

इस अवसर पर संस्था ने पिछले वर्ष की ही भांति द्वितीय जिला स्तरीय ग्रामीण परम्परागत खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया। इसमें विजेताओं एवं उपविजेताओं को शील्ड एवं कप प्रदान

किये गये वही अन्य विजेताओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इसी तरह ऊँट दौड़, घुडदौड़, गधा दौड़ और जुगाड़ नृत्य के विजेताओं एवं उपविजेताओं को जिला कलेक्टर द्वारा नगद पुरस्कार प्रदान किये गये।

20 जनवरी को मेले के अवसर पर शिल्प ग्राम में संस्था द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजित किया गया जिसमें रोचक कव्वाली मुकाबला सम्पन्न हुआ कार्यक्रम में जिला कलेक्टर एवं अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

4. निःशुल्क पोलियों ऑपरेशन शिविर का आयोजन :– इइ क्षेत्र में व्याप्त विकलांगता को ध्यान में रखते हुये 'सेवा ज्योति' द्वारा दिनांक 8 से 10 मार्च 2006 को निःशुल्क पोलियो सर्जिकल शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 67 विकलांगों का निःशुल्क सफल पोलियो ऑपरेशन किया गया। इन विकलांगों को ऑपरेशन के बाद निःशुल्क केलिर्पस वितरित किये गये। इनके अतिरिक्त 251 विकलांगों को विभिन्न सुविधायें प्रदान की गई।

5. विकलांग उपकरण वितरण का विशाल शिविरः चौदह जुलाई 2006 को नवलगढ़ क्षेत्र में समाज कल्याण एवं सहकारिता मंत्री श्री मदन दिलावर व जिला कलेक्टर श्री भवानी सिंह देथा के अध्यक्षता में विकलांग शिविर का आयोजन कर 496 विकलांगों को विभिन्न उपकरण प्रदान किए गए। ये उपकरण इस प्रकार थे –

ट्राईसाईकिल	150
श्रवण यंत्र	100
कैलिपर्स	35
बैसाखियां	150
व्हील चेयर	10
वाकिंग स्टिक	10
एल्बो स्टिक	10
सिलाई मशीनें	31

6. राधेश्याम मोरारका आयुर्विज्ञान संस्थानः श्री गौतम आर. मोरारका ने अपनी जन्म भूमि के निवासियों की सेवा के लक्ष्य को सर्वोपरि मानते हुए आर.आर. मोरारका चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से दिसम्बर 2006 में राधेश्याम मोरारका आयुर्विज्ञान संस्थान का निर्माण नवलगढ़ में करवाया। इसका उद्देश्य गरीब और साधनहीन ग्रामीण को रियायती दरों पर उत्कृष्ट चिकित्सा प्रदान करना है। इस संस्थान में 30 बिस्तरों वाला चिकित्सालय बनाया गया है जिसमें जांच और उपचार की आधुनिकतम सुविधाएं मौजूद है।

संस्थान महिला और बाल चिकित्सा पर विशेष रूप से ध्यान दे रहा है। चिकित्सालय ने अपनी अल्प अवधि में ही 13,499 ग्रामीणों को उत्कृष्ट चिकित्सा सुंविधा प्रदान की है। उसकी ओर से प्रत्येक माह आयोजित किये जाने वाले नेत्र चिकित्सा शिविरों के माध्यम से 1,303 नेत्र रोगियों को लाभान्वित किया गया तथा 210 सफल नेत्र ऑपरेशन किये गये। चिकित्सालय ने पांच रक्तदान शिविर भी आयोजित किए जिनमें 165 युनिट रक्तदान किया गया। इस रक्त को गरीब और साधनहीन रोगियों को उपलब्ध कराया गया। चिकित्सालय द्वारा जिला स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से 212 नसबन्दी शिविरों का आयोजन भी किया गया।

आज राधेश्याम मोरारका आयुर्विज्ञान संस्थान नवलगढ़ क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी जनता के मध्य रियायती दरों पर उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधा प्रदान करने वाले केन्द्र के रूप में अपनी जगह बना चुका है। चिकित्सालय सर्जरी के साथ–साथ कैन्सर के इलाज के लिए भी महत्वपूर्ण सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

7. व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र :– सितम्बर 2006 से महिलाओं को रोजगार लायक बनाने के लिए सेवा ज्योति ने एक अहम् कदम उठाया और महिलाओं के लिए 10 गांवों में, जिनमें कि सन् 2006 में महिला स्वास्थ्य जागरूकता परियोजना को सफलतापूर्वक संचालन किया जा चुका है, महिलाओं हेतु सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र खोले गये। प्रत्येक गांव में 40 महिलाओं को इस परियोजना के तहत प्रशिक्षण किया गया। इस परियोजना में 400 महिलाओं के प्रशिक्षण का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत अभी तक 04 बैच पुरे कर चुके है।

8. कैंसर परियोजना :– जिला कैंसर कन्ट्रोल सोसायटी, झुन्झुनू व सेवा ज्योति के सयुंक्त तत्वावधान मे ंझुन्झुनू जिले को धुम्रपान रहित बनाने का संकल्प लिया गया।

इस संकल्प के तहत सेवा ज्योति द्वारा नवलगढ़ क्षेत्र में भी प्रचार प्रसार कर आम जनता को कैंसर से सम्बन्धित आवश्यक जानकारी इस परियोजना के तहत दी जा रही है। इसके तहत संस्था द्वारा जिला स्तर पर चलाये जा रहे कार्यक्रमो में प्रशासनिक खर्च हेतु 1.50 लाख रूपये प्रदान किये गये।

9. लोहागर्ल :– इस वर्ष लोहागर्ल मेले के दौरान सेवा ज्योति द्वारा मेडिकल कैम्प आयोजित किया गया। जिसमें 600 मरीजों का इलाज किया गया और उन्हें निःशुल्क दवाइयां वितरित की गई।

10. कम्बल वितरण समारोह :– 25 दिसम्बर 2006 माननीय जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में 250 निर्धन महिलाओं, पुरूषों और बच्चों को कम्बल वितरित किये गये।

11. बाल श्रमिक स्कूल :– भारत सरकार के श्रम विभाग द्वारा स्वीकृत योजना के तहत सेवा ज्योति को नवलगढ़ को तहसील 2 स्कूलों के संचालन का कार्य तीन वर्ष के लिये दिया गया जिसमें प्रत्येक स्कूल में 50–50 बच्चे व तीन अध्यापकों की व्यवस्था की गई । इन स्कूलों में बच्चों का मिड डे मील भी दिया जाता है। संस्था ने बाल श्रमिकों को व्यवहारिक शिक्षा के साथ–साथ आत्मनिर्भर बनाने हेतु व्यावहारिक शिक्षा भी उपलब्ध कराई ताकि वे कुछ कार्य सीखकर अपने पैरों पर खड़े हो सकें।

प्रगति रिपोर्ट 2007

1. निर्धनों व गरीबों का स्वेटर वितरण :— दिनांक 12 जनवरी व 25 जनवरी 2007 को नवलगढ़ व मुकन्दगढ़ बाल श्रमिक स्कूल के बच्चों को 'सेवा ज्योति' की तरफ से निःशुल्क स्वेटर वितरित किये गये।

2. शेखावाटी हस्त शिल्प एवं पर्यटन मेला :— 15 जनवरी से 24 जनवरी 2007 तक चले शेखावाटी हस्तशिल्प मेले में सेवा ज्योति ने ग्रामीण खेलकूद को प्रोत्साहन देने हेतु विशेष योगदान दिया। इस अवसर पर संस्था ने पिछले वर्ष की ही भांति द्वितीय जिला स्तरीय ग्रामीण परम्परागत खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया। इसमें विजेताओं एवं उपविजेताओं को शील्ड एवं कप प्रदान किये गये वही अन्य विजेताओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इसी तरह ऊँट दौड़, घुडदौड़, गधा दौड़ और जुगाड़ नृत्य के विजेताओं एवं उपविजेताओं को उपजिला कलेक्टर द्वारा नगद पुरस्कार प्रदान किये गये।

3. विशाल विकलांग शिविर का आयोजन :— 9 फरवरी 2007 को संस्था ने झुन्झुनू मे विशाल विकलांग शिविर का आयोजन किया। राजस्थान विधानसभा की अध्यक्ष माननीया श्रीमती सुमित्रा सिंह इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थी जबकि जिला कलेक्टर श्री भवानी सिंह देथा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। शिविर मे विकलांगों को निम्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गई :—

ट्राईसाईकिल	82
श्रवण यंत्र	15
कैलिपर्स	03

4. रक्तदान शिविर :– सेवा ज्योति, राधेश्याम मोरारका मेडिकल इंस्टीट्यूट व युवा मंच नवलगढ़ के सयुक्त तत्वावधान में पांच रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। इनमें 165 युनिट रक्तदान किया गया। एकत्रित रक्त गरीब एवं साधनहीन रोगियों को उपलब्ध कराया गया।

5. परिवार कल्याण :– 22 से 24 फरवरी 2007 तक पुरूष व महिला नसबन्दी शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 125 पुरूषों व महिलाओं की नसबन्दी की गई। इन लोगों को सेवा ज्योति की तरफ से प्रोत्साहन स्वरूप कुकर और कम्बल दिये गये। 26 से 28 मार्च 2007 तक आयोजित एक अन्य शिविर में 24 पुरूषों और महिलाओं के नसबन्दी ऑपरेशन हुए।

6. महिला स्वास्थ्य जागरूकता परियोजना 2007 :– नवलगढ़ तहसील के 10 नये गावों का चयन कर महिलाओं, बच्चों और पुरूषों से सम्बन्धित बीमारियो के बारे में जागरूकता पैदा की गई। इस अभियान के तहत घर–घर जाकर बैठकें कर बीमारियों की रोकथाम के उपायों, दवाओं आदि के बारें में जानकारी दी गई। लगभग 70,000 व्यक्तियों को इस परियोजना से लाभ हुआ।

7. व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र :– सितम्बर 2007 से महिलाओं को रोजगार लायक बनाने के लिये सेवा ज्योति ने एक अहम कदम उठाया और महिलाओं के लिये 10 गांवों में, जिनमें कि सन् 2006 में महिला स्वास्थ्य जागरूकता परियोजना को सफलतापूर्वक संचालन किया जा चुका है, महिलाओ हेतु सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र खोले गये। प्रत्येक गांव में 40 महिलाओं को इस परियोजना के तहत प्रशिक्षण किया गया। इस परियोजना में 400 महिलाओं के प्रशिक्षण का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत अभी तक 04 बैच पूरे हो चुके है।

8. कैंसर परियोजना :— जिला कैंसर कन्ट्रोल सोसायटी झुन्झूनू व सेवा ज्योति के सयुक्त तत्वावधान में झुन्झुनू जिले के धुम्रपान रहित बनाने का संकल्प लिया गया। इस संकल्प के तहत सेवा ज्योति द्वारा नवलगढ़ क्षेत्र मे भी प्रचार प्रसार कर आम जनता को कैंसर से सम्बन्धित आवश्यक जानकारी दी गई । 31 मई 2007 को झुन्झुनू जिला देश का पहला धुम्रपान रहित जिला घोषित किया गया।

9. लोहागर्ल मेला :— इस वर्ष लोहागर्ल मेले के अवसर पर सेवा ज्योति द्वारा चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 500 मरीजो का इलाज किया गया। रोगियों को निःशुल्क दवाईयां वितरित की गई।

10. नाबार्ड योजना के अन्तर्गत गॉव गोद लेने की योजना :— संस्था द्वारा इस वर्ष ग्राम बडवासी को नाबार्ड योजना के अन्तर्गत गोद लिया गया। सेवा ज्योति ने इस ग्राम के सम्पूर्ण विकास का जिम्मा लिया है। संस्था वहां पर सड़क निर्माण कार्य, स्कूल भवन को पूननिर्माण कार्य, बैंक लोन, डाकघर निर्माण, चिकित्सालय निर्माण, कृषि विकास, महिलाओं को रोजगार लायक बनाने हेतु प्रशिक्षण आदि की जिम्मेदारी का निर्वहन कर रही है।

11. रेडीमेड गारमेन्ट्स व सॉफ्ट टॉयज बनाने का प्रशिक्षण :— बडवासी ग्राम की महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने व स्वरोजगार की दिशा में यह 02 माह का प्रशिक्षण शिविर शुरू किया गया । शिविर में बडवासी ग्राम की चालीस महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह योजना सेवा ज्योति एवं नाबार्ड द्वारा सयुंक्त से ग्रामीण विकास योजना के तहत चार सितंबर 2007 से प्रारंभ की गई।

12. चमड़े से बने सामान का प्रशिक्षण :— बडवासी गांव की महिलाओं को स्वरोजगार के लिए समक्ष बनाने के लिए चमड़े के सामान बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। यह प्रशिक्षण शिविर चार सितम्बर 2007 से शुरू हुआ जो दो माह तक चला। इस योजना को सेवा ज्योति और नाबार्ड मिलकर संचालित कर रहे है।

13. कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र :— सेवा ज्योति द्वारा ग्राम बिरोल की ग्रामीण महिलाओं को तकनीक और कम्प्यूटर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके लिए 25 महिलाओं के बैच की शुरूआत 24 सितम्बर 2007 से हुई है। यह प्रशिक्षण छह माह तक चला। इसके लिए प्रशिक्षित कम्प्यूटर शिक्षक की नियुक्ति की गई है।

14. आशा सहयोगिनी प्रशिक्षण शिविर :— दिनांक 11 सितम्बर 2007 से जिला स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग व सेवा ज्योति के संयुक्त तत्वावधान में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें अब तक 180 महिलाओं को आशा सहयोगिनी का प्रशिक्षण दिया गया। आगामी मार्च 2008 व अप्रेल मे इतनी ही महिलाओं को आशा सहयोगिनी का प्रशिक्षण दिया जायेगा। संस्था द्वारा इसी प्रशिक्षण के माध्यम से 2006 एवं 2007 में लगभग 300 आशा सहयोगिनी कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया गया है।

15. स्वयं सहायता समुह :— संस्था द्वारा ग्रामीण महिलाओं को बचत करने और उस राशि को स्वरोजगार के लिए इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके लिए तीस गांवों में महिलाओ के स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है।इस समूहों में अब तक 24 समूहो के बैंक खाते खुलवाकर उन्हें आर्थिक दृष्टि से समक्ष व स्वावलम्बी बनाने की दिशा में कदम उठाये जा रहे है। उन्हें आर्थिक सहायता देकर घरेलु व्यवसायों के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। माह सितम्बर 2007 में भवानी सहायता समूह की महिलाओं को 25 हजार रूपये को बैंक लोन दिलवाया गया है ताकि वे अपना घरेलू व्यवसाय शुरू कर सकें ।

16 निःशक्तजन दिवस :— जिला विकलांग पुनवार्स केन्द्र द्वारा सेवा ज्योति प्रांगण में निःशक्तजनों एवं वृद्वजनों को समर्पित दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपखण्ड अधिकारी श्री नवनीत कुमार, डीवाईएसपी श्री राणा उपस्थित थे।

17. एड्स दिवस :— इस अवसर पर संगोष्ठी की गई एवं सेवा ज्योति व जिला पुनर्वास केन्द्र के पर्चे (पैम्फलैट) वितरित किए गए।

18. विकलांग दिवस :— इस अवसर पर जिला विकलांग पुर्नवास केन्द्र मुख्यालय पर मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपखण्ड अधिकारी श्री नवनीत कुमार थे। इसमें अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित हुए।

19. विशाल विकलांग शिविर का आयोजन :– चुरू में 11 से 13 सितम्बर 2007 के बीच जिला कलेक्टर, चुरू की अध्यक्षता में विशाल विकलांग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान चुरू जिले के विकलांग को निम्न उपकरण वितरित किए गए–

List of AIDS & Appliance to be distributed for Churu Distict.

S.L	**Name of Pancy Samitti**	**Total Reg.**	**Try Cycle**	**Wheel Chair**	**Beh Sakhi**	**W/Stick**	**Hearing Aids**	**Caliper**	**Chair**
1	**Churu**	17	12	01	.	.	01	02	03
2	**Taranagar**	88	12	04	10	01	12	03	03
3	**Rajgarh**	127	30	07	13	05	09	03	05
4	**Sadarshar**	101	15	14	10	10	06	18	09
5	**Ratangarh**	88	15	03	12	10	09	17	13
	Sujangarh	76	25	08	02	12	09	08	08
	Total	497	109	37	47	38	46	51	33

20. महिला कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रमः दिनांक 29 सितम्बर 2007 से 24 दिसम्बर 2007 तक ग्राम बड़वासी में जिला उद्योग केन्द्र की गृह उद्योग योजनान्तर्गत 25 ग्रामीण महिलाओं व 29 बालिकाओं को कम्प्यूटर प्रशिक्षण (अवधि 3 माह) प्रदान किया गया।

प्रगति रिपोर्ट 2008

सेवा ज्योति द्वारा विगत चार वर्षो से निरन्तर विभिन्न गतिविधियों का संचालन प्रति वर्ष किया जा रहा है। जिनमें व्यावसायिक उन्नयन कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रति 10 गावों के माध्यम से 400 महिलाओं को सिलाई कला का प्रशिक्षण देना, दस गांवों में स्वास्थ्य कर्मी के नियुक्ति व इनके द्वारा ग्रामीण महिला स्वास्थ्य जागरूकता परियोजना का संचालन, बाल श्रमिक विद्यालय का संचालन, पोलियों करेक्शन कैम्प, विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन इत्यादि अनेकानेक परियोजनाएं शामिल है। इनका क्रमानुसार संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है –

1. शेखावाटी हस्तशिल्प एवं पर्यटन मेला :– जिले में स्वरोजगार एवं पर्यटन उद्योग को प्रोत्साहित करने के उद्‌देश्य से दिनांक 15 से 24 जनवरी 2008 के मध्य आयोजित इस मेले में संस्था द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पारम्परिक खेल–कूद को प्रोत्साहित करने के उद्‌देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा विजेता एवं उपविजेता दलों को पुरस्कार स्वरूप प्रतीक चिन्ह भंट किये गये। पुरस्कार वतिरण श्रीमान अपर जिला कलेक्टर श्री काली चरण शर्मा द्वारा किया गया। मेले के दौरान दिनांक 22–01–08 को संस्था द्वारा रोजगार मेला आयोजित किया गया तथा स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पादों को बिक्री स्वरूप प्रदर्शित किया गया।

2. पोलियो करेक्शन शिविर : सामाजिक न्याय एवम् अधिकारिता विभाग जयपुर व सेवा ज्योति के संयुक्त तत्वावधान में 5 जनवरी 2008 व 20 फरवरी 2008 को क्रमशः तीन दिवसीय पोलियो करेक्शन शिविर आयोजित किया गया। जिसमें जयपुर के विरष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. वी.पी. तिवाड़ी द्वारा 73 पोलियों ग्रस्त रोगियों के सफल ऑपरेशन किये गये।

3. अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवास 8 मार्च :– मातृ शक्ति के सम्मान स्वरूप विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में विशाल सम्मान समारोह का आयोजन किया। भाजपा नेता व अध्यक्ष बीसूका श्रीमती सन्तोष अहलावत इस समारोह की मुख्य अतिथि थी तथा अध्यक्षता श्री शुभकरण चौधरी कृषि उपज मंडी नवलगढ़ ने की। इस सम्मान समारोह मे उन महिलाओं को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया जिन्होंने समाज के प्रति निःस्वार्थ भाव से अपना दायित्व निभाया। इसके अतिरिक्त वर्ष 2007–08 की अवधि में व्यावसायिक उन्नयन कार्यक्रम के अन्तर्गत सिलाई कला में प्रशिक्षित हुई 400 महिलाओं व 30 कार्यकर्ताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साह वर्धन किया गया। समारोह में नवलगढ़ पंचायत समिति के विभिन्न 40 गावों से लगभग 1500 महिलाओं ने उपनी उपस्थिति दी।

4. श्री राधेश्याम मोरारका जयन्ती समारोह 26 मार्च 2008ः स्व. राधेश्याम मोरारका जी की 85 वीं जन्म वर्ष्र गांठ समारोहपूर्वक मनाई गई। समारोह के मुख्य अतिथि महामहिम श्री नवरंग टीबड़ेवाल (भूतपूर्व राज्यपाल, राजस्थान प्रदेश) थे तथा अध्यक्ष विमलेश अग्रवाल (महामंत्री अग्रोह विकास ट्रस्ट राजस्थान प्रदेश) ने की। इस अवसर पर स्व. मोरारका जी के जीवन प्रसंगों पर आधारित स्मारिका 'प्रेरणा' का विमोचन राज्यपाल के कर कमलों द्वारा किया गया

तथा इस अवसर पर प्रसिद्ध समाजसेवी श्री रामस्वरूप मोरारका व प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य एवं वयोवृद्ध वैद्य श्री दुर्गा प्रसाद दिवाकर जी का शल, श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। सेवा ज्योति प्रांगण में आयोजित इस समारोह में श्री पशुपति शर्मा संपादक दैनिक उद्योग आस–पास, श्री सुरेन्द्र सिंह तंवर एस.डी.एम. नवलगढ़, श्री कान्त मोरारका महामंत्री अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, विशिष्ठ अतिथि के रूप में मंचासीन हुए। सभी अतिथियों को स्मृति स्वरूप प्रतीक चिन्ह श्री अमरीश कुमार शर्मा, मुख्य परियोजना अधिकारी द्वारा भेंट किये गये।

5. व्यावसायिक उन्नयन कार्यक्रमः इस कार्यक्रम के अन्तर्गत संस्था द्वारा नवलगढ़ पंचायत समिति क्षेत्रान्तर्गत 10 गावों का चयन कर इनमें सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र खोले गये तथा 400 महिलाओं को सिलाई कला में दक्ष करने का लक्ष्य रखा गया। सितंबर 2008 तक 04 बैंचों के द्वारा 400 महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा गया। इस वर्ष जिन गावों का चयन किया गया , उनके नाम क्रमशः इस प्रकार है 1. टोंक छिलरी, 2. बसवा, 3. खिरोड़ 4. भोजनगर, 5. बाय, 6. नवलड़ी, 7. बलवंतपुरा, 8. चेलासी, 9. पबाना, 10. परसरामपुरा।

6. ग्रामीण महिला स्वास्थ्य जागरूकता परियोजना : इस परियोजनान्तर्गत 10 गांवों का चयन किया गया। प्रति गांव एक स्वास्थ्य कर्मी की नियुक्ति की गई। यह स्वास्थ्य कर्मी ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता प्रसार हेतु कार्य करती है।

इस परियोजना में जिन गांवों का चयन किया गया उनके नाम क्रमशः इस प्रकार है – मैणास, तोगड़ा कलां, सुल्तानपुरा, बड़वासी, जेजुसर, कसेरू, मोहबतसरी, जाटवाली, कारी व बुगाला। अब तक इस योजना के माध्यम से 2,50,000 लोगों को लाभान्वित किया जा चुका है।

7. निःशुल्क स्वास्थ्य जाचं व दवा वितरण शिविरों का आयोजन :– सेवा ज्योति संस्था द्वारा नवलगढ़ पंचायत समिति क्षेत्रान्तर्गत 31 गांवों में उक्त शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में राधेश्याम मोरारका मेडिकल इन्स्टीट्यूट के चिकित्सक दल ने सम्पूर्ण सेवा भावना के साथ रोगियों की स्वास्थ्य जांच की तथा आवश्यक उपचारात्मक निर्देश दिये। शिविर आयोजन की यह यात्रा दिनांक 21–04–2008 से ग्राम माण्डासी से शुरू हुई तथा 27–05–2008 को ढ़ाणियां नवलगढ़ में आकर इसने तनिक विश्राम किया। इन शिविरों के माध्यम से अब तक 4,218 रोगियों की स्वास्थ्य जांच का कार्य किया जा चुका है तथा यथासंभव दवाइयां का वितरण भी किया गया।

8. जिला स्तरीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व दवा वितरण शिविर का आयोजन :– दिनांक 18 जून 08 सेवा ज्योति संस्था द्वारा 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 'की धारणा का अक्षरशः पालन करते हुए जिलास्तरीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व दवा वितरण का विशाल शिविर श्री राधेश्याम मोरारका राजकीय महाविद्यालय परिसर झुन्झुनूं में आयोजित किया गया।शिविर के उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि माननीया श्रीमती सुमित्रा सिंह अध्यक्ष, विधानसभा, राजस्थान थीं।

9. शिविर में आने वाले रोगियों की स्वास्थ्य जांच का कार्य राधेश्याम मोरारका मेडिकल इन्स्टीट्यूट व महाबीर कैन्सर चिकित्सालय जयपुर के विरष्ठ चिकित्सक दल द्वारा किया गया। इस शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, दन्त रोग विशेषज्ञ, सर्जन, आँख, नाक व गला रोग विशेषज्ञ, नर्सिंग स्टॉफ व पैथोलोजिकल जाचं स्टॉफ से सुसज्जित दल द्वारा जांच व निदान सम्बन्धि कार्य के साथ–साथ आवश्यक दवाओं का वितरण भी किया गया।

9. स्वयं सहायता समूह : सेवा ज्योति द्वारा नवलगढ़ पंचायत समिति क्षेत्रान्तर्गत 30 गांवों में 54 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जा चुका है। स्वयं सहायता समूहों को 3 लाख 52 हजार रूपयें की राशि ऋण स्वरूप उपलब्ध करवाई जा चुकी है।

10. आर्टिजन क्रेडिट कार्ड :– सेवा ज्योति द्वारा जिला उद्योग के माध्यम से आर्टिजन क्रेडिट कार्ड द्वारा महिलाओं को लाभान्वित किया जाता है। अब तक 150 महिलाओं को यह सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है।

11. प्रधानमंत्री रोजगार योजनाः संस्था द्वारा 8 मार्च 08 को प्रिसेलेक्शन शिविर का आयोजन जिला उद्योग केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस शिविर के माध्यम से उक्त योजना हेतु योग्य उम्मीदवारों का चयन किया गया तथा 20 युवकों को इस योजनान्तर्गत लाभान्वित कराया गया।

12. मोबाइल सर्जिकल युनिट परियोजनाः राजस्थान सरकार के स्वास्थ्य मिशन विभाग की उपरोक्त योजना का संचालन कार्य झुन्झुनू जिले में सेवा ज्योति द्वारा इस वर्ष प्रारम्भ किया गया है। इस परियोजना में दो डॉक्टर, दो नर्सिंग स्टॉफ, दो हेल्पर व दो ड्राइवर का संयुक्त दल मोबाइल एम्बुलेन्स की सुविधा से

सम्पन्न होकर उन पीड़ित जनों को चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराएगा जो साधन विहिन है तथा समुचित चिकित्सा सुविधा के अभाव में असमय मृत्यु का ग्रास बन जाते है।

13. ब्लॉक स्तरीय निःशुल्क जाचं व दवा वितरण शिविर का आयोजन : संस्था द्वारा वर्ष 2008 में ब्लॉक स्तरीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व दवा वितरण शिविर आयोजित किये गये । शिविर में राधेश्याम मोरारका मेडिकल इन्स्टीट्यूट नवलगढ़ के फिजीशियन, स्त्रीरोग विशेषज्ञ, शिशुरोग विशेषज्ञ, नाक–कान एवं गला रोग विशेषज्ञ, सर्जन, एम.बी.बी.एस. तथा जयपुर के दन्तरोग विशेषज्ञ ,हृदय रोग विशेषज्ञ की सेवाएं उपलब्ध कराई गई तथा इन शिविर में कुल 6,743 रोगियों को स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से लाभान्वित किया गया।

14. जिला स्तरीय मानव विकास कार्यशाला में भागीदारीः आयोजन विभाग भारत सरकार व यु.एन.डी.पी. के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला सतरीय कार्यशाला 31 जुलाई 08 में संस्था के पदाधिकारियों ने राज्य स्तरीय सन्दर्भ व्यक्ति एवं जिला स्तरीय सन्दर्भ व्यक्ति के रूप में अपनी सहभागिता निभाई।

15. छात्रवृति वितरण कार्यक्रम :– संस्था द्वारा आर्थिक रूप से विपन्न 5 छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करते हुए इस वर्ष छात्रवृति स्वरूप रूपये 60,000 की राशि प्रदान की गई।

16. जिलास्तर पर सम्मान :–15 अगस्त 2008 स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर निशक्तजनों के कल्याणार्थ किये गये कार्यों के उपलक्ष्य में संस्था को जिलास्तर पर श्रीमान् जिला कलेकटर टी. रविकांत द्वारा प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

17. राज्य स्तरीय मानव विकास कार्यशाला में भागीदारीः संस्था की महिला प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती कृष्णा शर्मा ने ओ.टी. एस.जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय मानव विकास कार्यशाला में भाग लिया।

18. चमड़े से बने सामान का प्रशिक्षण :—दिनांक 1 अक्टूबर 2008 से 31 जनवरी 2009 तक ग्राम बसावा में जिला उद्योग केन्द्र की गृह उद्योग योजनान्तर्गत चमड़े से बने सामान का प्रशिक्षण दिया गया । इस प्रशिक्षण में 32 महिलाओं व बालिकाओं को प्रशिक्षित किया गया।

19. चमड़े से बने सामान का प्रशिक्षण :—दिनांक 14 अक्टूबर 2008 से 14 जनवरी 2009 तक झुन्झुनूं में स्वर्णजयन्ति शहरी रोजगार योजनान्तर्गत चमड़े से बने सामान का प्रशिक्षण दिया गया । इस प्रशिक्षण में 32 महिलाओं व बालिकाओं को प्रशिक्षित किया गया। इन महिलाओं व बालिकाओं के आर्टिजन क्रडिट कार्ड निर्माण की प्रक्रिया जारी है।

20 बैंक वित्तीय सम्बद्धता कार्यक्रम :—नाबार्ड योजना के अन्तर्गत गॉव गोद लेने की योजना के तहत गॉव बड.वासी के समस्त परिवारों के शून्य बचत राशि पर बैंक खाते खोले गये।

21. तीस लाख रूपये का ऋण स्वीकृतः– वैन्चर कैपिटल स्कीम के अन्तर्गत डेयरी डेवलप्मेंन्ट परियोजना हेतु गॉव बड.वासी के दस किसानों को रूपये तीस लाख रूपये का ऋण स्वीकृत कराया।

22.ग्रामीण उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत ऋण स्वीकृतः– गॉव बड.वासी की ग्रामीण उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित महिलाओं को रूपये 2,10,000 का ऋण स्वीकृत कराया।

23. ग्रामीण उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत इलेकट्रानिक आइटम रिपेयरिंग प्रशिक्षण शिविर का आयोजनः–शिक्षित बेरोजगार युवकों को व्यवसायोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से ग्राम बड.वासी में इलेकट्रानिक आइटम रिपेयरिंग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में 30 युवकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

24. ग्रामीण उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण शिविर का आयोजनः शिक्षित बेरोजगार युवकों को व्यवसायोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से ग्राम बड.वासी में मोबाइल रिपेयरिंग रिपेयरिंग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में 30 युवकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

25.राधेश्याम मोरारका आयुर्विज्ञान संस्थानः श्री गौतम आर. मोरारका ने अपनी जन्म भूमि के निवासियों की सेवा के लक्ष्य को सर्वोपरि मानते हुए आर.आर. मोरारका चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से दिसम्बर 2006 में राधेश्याम मोरारका आयुर्विज्ञान संस्थान का निर्माण नवलगढ़ में करवाया। इसका उद्देश्य गरीब और साधनहीन ग्रामीण को रियायती दरों पर उत्कृष्ट चिकित्सा प्रदान करना है। इस संस्थान में 30 बिस्तरों वाला चिकित्सालय बनाया गया है जिसमें जांच और उपचार की आधुनिकतम सुविधाएं मौजूद है। संस्थान महिला और बाल चिकित्सा पर विशेष रूप से ध्यान दे रहा है।

चिकित्सालय ने अपनी अल्प अवधि में ही 42,181 ग्रामीणों को उत्कृष्ट चिकित्सा सुंविधा प्रदान की है। उसकी ओर से प्रत्येक माह आयोजित किये जाने वाले नेत्र चिकित्सा शिविरों के माध्यम से 1,303 नेत्र रोगियों को लाभान्वित किया गया तथा 210 सफल नेत्र ऑपरेशन किये गये। चिकित्सालय ने पांच रक्तदान शिविर भी आयोजित किए जिनमें 165 युनिट रक्तदान किया गया। इस रक्त को गरीब और साधनहीन रोगियों को उपलब्ध कराया गया। चिकित्सालय द्वारा जिला स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से व स्वयं के स्तर पर कुल 316 नसबन्दी ऑपरेशन किये गये। संस्थागत प्रसव को प्रोतसाहित करने के लिए जननी सुरक्षा योजना का संचालन किया जा रहा है।

इस योजना के तहत कुल 147 प्रसूताओं को आर्थिक सहायता दी जा चुकी है तथा 540 सुरक्षित प्रसव कराये गये। कुल ऑपरेशन 540 किये गये। आज राधेश्याम मोरारका आयुर्विज्ञान संस्थान नवलगढ़ क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी जनता के मध्य रियायती दरों पर उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधा प्रदान करने वाले केन्द्र के रूप में अपनी जगह बना चुका है। चिकित्सालय सर्जरी के साथ–साथ कैन्सर के इलाज के लिए भी महत्वपूर्ण सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

सेवा ज्योति की जिला स्तरीय सहभागिताः

1. जिला स्तरीय ग्रामीण स्वास्थ्य प्रणाली की सदस्यता।
2. महिला बाल विकास कार्यक्रम की संचालन की सदस्यता।
3. जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्र की प्रबन्धन समिति की सदस्यता।
4. जिला कैंसर नियन्त्रण समिति की सदस्यता।
5. महाविद्यालय विकास समिति में ट्रस्ट की सदस्यता।
6. शेखावाटी हस्त शिल्प पर्यटन मेले की आयोजन समिति की सदस्यता।

संस्था के परियोजना समन्वयक व परियोजना अधिकारी ने निम्नलिखित कार्यशालाओं में अहम भूमिका निभाई।

1. डी.पी. ई.पी. कार्यशाला जयपुर में आयोजित हुई। जिसमें परियोजना अधिकारी उपस्थिति रहे।
2. जल प्रबन्धन पर जयपुर में हुई राज्य स्तरीय कार्यशाला में परियोजना अधिकारी ने जल प्रबन्धन हेतु नवलगढ़ का प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया।
3. आपदा प्रबन्धन की ओ.टी.एस. में आयोजित 6 दिवसीय कार्यशाला (जयपुर) में परियोजना समन्वयक ने भाग लिया।

4.राज्य स्तरीय मानव विकास कार्यशाला में भागीदारीः संस्था की महिला प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती कृष्णा शर्मा ने ओ.टी. एस.जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय मानव विकास कार्यशाला में भाग लिया।

भावी परियोजनाएं व कार्यक्रम :

सेवा ज्योति ने निम्नलिखित परियोजनाएं भारत सरकार/राजसथान सरकार/राजस्थान समाज कल्याण बोर्ड को प्रस्तुत की है।

1. ग्रामीण महिला जागरूकता परियोजना।
2. बालिका भ्रमण परियोजना।
3. परिवार परामर्श केन्द्र
4. एड्स/एच.आई.वी. मरीजों के लिए केयर सेन्टर।
5. एच.आई.वी. मरीजों के लिए ट्रीटमेंट सेन्टर।
6. व्यवहारिक बदलाव/मेडिकल एण्ड पेरामेडिकल कर्मचारियों के लिए।
7. स्वधार।
8. विकलांगों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण परियोजना।
9. विकलांगों के लिए आवासीय व होस्टल सुविधा परियोजनां
10. आशा प्रोजेक्ट।
11. औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, नवलगढ़।
12. बी.ए. सी. नर्सिग कॉलेज।
13. आशा सहयोगिनी प्रशिक्षण।

वर्ष 2009 में जिन परयोजनाओं के लिए आवेदन किया :–

1.महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकतण हेतु स्वावलंबन परियोजना ।

2. महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकतण हेतु स्वयंसिद्धा परियोजना।

3. बच्चों के शारीरकि एवं शैक्षणिक विकास के लिए युनिसेफ में आवेदन।

4.स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रसार हेतु ग्राम स्वास्थ्य समिति का गठन एवं प्रशिक्षण परियोजना।

5.स्वर्ण जयंती शहरी/ग्राम स्वरोजगार योजनान्तर्गत बी. पी. एल. परवारों को व्यावयायिक प्रशिक्षण परियोजना

6.माइक्रो स्मॉल एवं मीडियम इंटरप्राइज जयपुर की महिला सशक्तिकरण हेतु व्यावसायिक परियोजना के लिए आवेदन।

7. कपार्ट

8 ग्राम स्वास्थ्य समिति

9. महिला सशक्तिकरण हेतु व्यावसायिक परियोजना के लिए खादी एवं ग्रमोद्योग बीकानेर में आवेदन।

10. नेशनल कैटल फीड कॉरपोरेशन भोपाल में स्वये सहायता समूह को व्यावसायिक गतिविधि के रूप में स्थापित करने हेतु आवेदन।

11. महिला एवं बाल विकास विभाग में परियोजना हेतु आवेदन।

प्रगति रिपोर्ट 2007–08

जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्र, नवलगढ़–झुन्झुनू

जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्र नवलगढ़, झुन्झुनू का गठन 1 अक्टूबर 2005 में किया गया। यह एक परियोजना है जो कि भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन पं. दीनदयाल विकलांग जन संस्थान, नई दिल्ली के मार्गदर्शन में अपना कार्य कर रही हैं इस परियोजना के तहत विभिन्न प्रकार की श्रेणियों के विकलांगों के पुनर्वास हेतु निम्न योजनाएं चलाई जा रही है।

1. नये विकलागों को डी.डी. आर.सी. की सूची में लाकर लाभान्वित करवाना।
2. मानसिक विकलांगों को स्पेशन एजुकेशन (विशिष्ट शिक्षा) मुहैया करवाना।
3. गूंगे व बहरे विकलागों के लिये दक्ष तकनीशियनों द्वारा श्रवण यंत्र मुहैया करवाना।
4. पैरों से विकलांगों के लिये कैलिपर्स, जूते तैयार कर उपलब्ध करवाना।
5. विकलांगों को फीजियोथैरेपी सुविधा उपलब्ध करवाना।

6. समाज कल्याण विभाग द्वारा दी जा रही सुविधायें प्रदान करवाना, जैसे – विकलांगता प्रमाण पत्र बनवाना, रोहवेज पास, रेल्वे का रियायती पास बनवाना, रोजगार को बढ़ावा देने हेतु जिला लघु उद्योग विभाग द्वारा चलाई जा रही सुविधायें उपलब्ध करवाना आदि।
7. पोलियोग्रस्त विकलांगों के लिये निःशुल्क ऑपरेशन सुविधा, भोजन व आवासीय सुविधा उपलब्ध करवाना।
8. एडीप योजना के तहत विकलांगों के बीच उपकरणों का वितरण करवाना, जैसे ट्राईसाईकिल, व्हील चेयर, बैसाखी, श्रवण यंत्र, कैलिपर्स, वाकिंग स्टिक्स, एल्बो स्टिक आदि। एडीप योजना के अन्तर्गत विशाल मूल्यांकन शिविर व उपकरण वितरण शिविर का आयोजन करना, जिसमें निःशुल्क चाय, नाश्ता व भोजन की व्यवस्था भी शामिल है।
9. विकलांगता के बारे में स्कूलों व गांवों में जागरूकता पैदा करना।
10. विकलागों हेतु मूल्याकंन शिविर का आयोजन सभी पंचायत समितियों के स्तर पर करना।

प्रगति कार्य की समीक्षा

1. विकलांग सर्वे कार्य : इस क्षेत्र में डी.डी. आर.सी. के.एम. आर. डब्ल्यू ने नवलगढ़ व झुन्झुनू क्षेत्र का सर्वे का कार्य पूर्ण कर 200 नये विकलांगों को विकलांगता की सूची में शामिल किया हैं ये इससे पूर्व लाभान्वित नहीं थे। अब तक जिला विगलांग पुर्नवास केन्द्र ने झुन्झुनू जिले की आठ पंचायत समितियों में 3800 विकलांगों का रजिस्ट्रेशन कार्य पूरा कर लिया है।
2. मानसिक विकलांगता के क्षेत्र में : नवलगढ़ क्षेत्र के मानसिक विकलांगों के सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है और 10 ऐसे मानसिक विकलांग

बच्चों को हेम बेस ट्रेनिंग संस्था के विशेषज्ञ साइकोलोजिस्ट द्वारा दी जा रही हैं उनकी सभी प्रकार की स्पेशल शिक्षा सम्बन्धी सामान डी.डी.आर.सी. में

3. गूंगे व बहरे विकलांगों हेतु : इस क्षेत्र में डी.डी.आर.सी. के पास ऑडियों मीटर मशीन सुविधा उपलब्ध हैं इसके द्वारा विकलांगों की श्रवण क्षमता की जांच कर कान में सुनने हेतु मशीन लगाई जाती हैं गत वर्ष एडीप योजना के तहत ऐसी 120 मशीनों का वितरण किया गया।
4. कैलिपर्स क्षेत्र : इसके तहत गत वर्ष 67 विकलांगों को डी.डी.सी. द्वारा केलिपर्स व जूते उपलब्ध कराये गये। डी.डी.आर.सी. में कैलिपर्स बनाने हेतु उच्च श्रेणी का तकनीशियन उपलब्ध है।

5. फीजियोथैरेपी के क्षेत्र में : इस क्षेत्र में डी.डी.आर.सी. ने आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित फीजियोथैरेपी यूनिट की स्थापना कर ट्रीटमेंट का कार्य शुरू कर दिया है। अब तक 250 विकलागों का निःशुल्क इलाज किया गया है।

6. समाज कल्याण विभाग द्वारा सुविधाः समाज कल्याण विभाग की तरफ से विकलांगों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं का लाभ उनके हकदार लोगों तक पहुचें इसका प्रयास सेवा ज्योति कर रहा है। इसके लिए विकलांगों के फार्म भरकर समाज कल्याण विभाग में भिजवायें जाते है। इन फार्मो का प्रयोग प्रमाण पत्रों, छात्रवृति, रोडवेज पास, पेन्शन इत्यादि के लिए होता है। अब तक 29 विकलागों को इस प्रकार की सुविधाओं का लाभ मिल चुका हैं

7. पोलियों विकलांगता के क्षेत्र में : गत वर्ष 78 विकलांगों का रजिस्ट्रशन कर 67 विकलांगों का सफलतापूर्वक निःशुल्क ऑपरेशन करवाया गया। उनक रहने व खाने की सुविधा भी निःशुल्क उपलब्ध करवायी गई। जिन 67 विकलांगों को कैलिपर्स की आवश्यकता थी उन्हें निःशुक्ल कैलिपर्स दिये गये।

8. विशाल विकलांग शिविर का आयोजन : समाज कल्याण एवं सहकारिता मंत्री श्री मदन दिलावर जी व जिला कलेक्टर श्री भवानी सिंह जी देथा की उपस्थिति में 14 जुलाई 2006 को नवलगढ़ में विकलांग शिविर का आयोजन कर 496 विकलांगों को लाभान्वित किया गया। विकलांगों के बीच निम्न उपकरण वितरित किए गए –

ट्राईसाईकिल	150
श्रवण यंत्र	100
कैलिपर्स	35
बैसाखी	150
व्हील चेयर	10
वाकिंग स्टिक	10
एल्बों स्टिक	10
सिलाई मशीन	31

9. विशाल विकलांग शिविर का आयोजन : 9 फरवरी 2007 को झुन्झुनू में विशाल विकलांग शिविर का आयोजन किया गया। माननीया श्रीमती सुमित्रा सिंह, विधानसभा अध्यक्ष, इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कलेक्टर श्री भवानी सिंह देथा ने की। शिविर में विकलांगों को निम्न उपकरणों को वितरण किया गया।

उपकरण का नाम	
ट्राईसाईकिल	82
श्रवण यंत्र	15
कैलिपर्स	03
बैसाखी	20

व्हील चेयर 03

वाकिंग स्टिक 10

कम्बल 50

एल्बों स्टिक 05

सिलाई मशीन 30

इस शिविर में लगभग 203 विकलांग लाभान्वित हुए।

10. विशाल विकलांग शिविर का आयोजनः 11 से 13 सितम्बर 2007 को जिला कलेक्टर चुरू की अध्यक्षता में चुरू में विशाल विकलांग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चुरू जिले के विकलांगों को निम्न उपकरण उपलब्ध कराए गए–

List of Aids & Appliance to be distributed for Chure District.

S.L	Name of Pancy Samitti	Total Reg.	Try Cycle	Wheel Chair	Beh Sakhi	W/Stick	Hearing Aids	Caliper	Chair
1	**Churu**	17	12	01	.	.	01	02	03
2	**Taranagar**	88	12	04	10	01	12	03	03
3	**Rajgarh**	127	30	07	13	05	09	03	05
4	**Sadarshar**	101	15	14	10	10	06	18	09
5	**Ratangarh**	88	15	03	12	10	09	17	13
	Sujangarh	76	25	08	02	12	09	08	08
	Total	497	109	37	47	38	46	51	33

11. सिलाई मशीनों का वितरण : सन 2006 को सेवा ज्योति, आर.आर.एम.सी.टी. में 31 विकलांग महिलाओं और पुरूषों को निःशुल्क सिलाई मशीनें वितरित कर स्वरोजगार योग्य बनाया। सन् 2007 में भी सेवा ज्योति द्वारा चयनित विकलांगों को 30 सिलाई मशीनों का वितरण किया गया।

12. जागरूकता के क्षेत्र में : डी.डी.आर.सी. ने लगभग 25,000 पर्चे (पैम्पलेट) छपवाकर वितरित किए। संस्था ने स्कूलों में गांवों में और पंचायत समितियों में जाकर विकलांगता पर जागरूकता पैदा करने के लिए शिविरों का आयोजन किया।

13. मूल्यांकन शिविरः डी.डी.आर.सी. ने प्रत्येक (आठ) पंचायत समिति में विकलांगों हेतु मूल्यांकन शिविरों का आयोजन किया। इन शिविरों में करीब 1500 विकलांग लाभान्वित हुए।